

समाहरणालय, पटना।

(शस्त्र शाखा)

फोन नं० 0612-2219545 (का०)

फैक्स नं०-0612-2218900

Email : dampatnaarmssection@gmail.com

dm-patna.bih@nic.in

—: आदेश :—

12-11-2013

आवेदक श्री मनीष भूषण ओझा, पिता—श्री इन्दू भूषण ओझा, सा०—देवी स्थान, पुनाईचक, पो०+थाना—शास्त्रीनगर, जिला—पटना से प्राप्त एक दो नाली बन्दूक शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन—पत्र पर शस्त्र अनुज्ञप्ति वाद संख्या—09—475/2011 कायम करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से जाँच प्रतिवेदन प्राप्त कर सुनवाई की तिथि—18.10.2013 निर्धारित की गई। अपरिहार्य कारणों से सुनवाई की पहली तिथि स्थगित करते हुए दूसरी तिथि—12.11.2013 निर्धारित की गई।

दूसरी निर्धारित तिथि दिनांक—12.11.2013 को सुनवाई की गयी। सुनवाई के क्रम में आवेदक के द्वारा उपस्थित होकर बताया गया कि वे व्यवसाय करते हैं। तदोपरान्त उनके द्वारा अपने जान—माल की सुरक्षा हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने का अनुरोध किया गया, परन्तु पूछने पर सुरक्षा भय के संबंध में कोई ठोस कारण नहीं बताया गया।

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना के पत्रांक—168/गो०, दिनांक—17.02.2012 द्वारा पुलिस उपाधीक्षक, सचिवालय, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में आवेदक का शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र बिना अनुशंसा के मूल में आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी जा रही है। पुलिस उपाधीक्षक, सचिवालय, पटना के ज्ञापांक—09/सचि०, दिनांक—30.01.2012 द्वारा आवेदक के आग्नेयास्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन की कंडिका—10 में अंकित टिप्पणी के आलोक में बिना अनुशंसा अग्रसारित कर आवेदक का स्थायी पता पर जाँच कराने हेतु भेजा गया है। थानाध्यक्ष, शास्त्रीनगर द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि आवेदक व्यवसाय करते हैं। आवेदक का दादा श्री रवि भूषण ओझा के नाम एक डी०बी०बी०एल० गन अनुज्ञप्ति सं०—575/शिकारपुर थाना पर धारित एक डी०बी०बी०एल० गन सं०—20933 प्राप्त है। तदोपरान्त आवेदक के जान—माल के सुरक्षार्थ शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने हेतु अनुरोध किया गया है। आवेदक को विशेष सुरक्षा भय होने के संबंध में कुछ भी प्रतिवेदित नहीं किया गया है। साथ ही थानाध्यक्ष द्वारा जाँच प्रतिवेदन की कंडिका—10 के सभी बिन्दुओं पर कुछ भी प्रतिवेदित नहीं करने के बावजूद आवेदक को शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत किये जाने की अनुशंसा की गयी है, लेकिन इसके लिए कोई कारण नहीं बताया गया है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13 (2) एवं 13 (2A) में अंकित है कि "आवेदन की प्राप्ति पर, अनुज्ञापन प्राधिकारी उस आवेदन पर निकटतम पुलिस थाने के भारसाधक ऑफिसर की रिपोर्ट मंगवाएगा और ऐसा ऑफिसर अपनी रिपोर्ट विहित समय के भीतर भेजेगा। अनुज्ञापन प्राधिकारी ऐसी जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात्, जैसा वह आवश्यक समझे, और उप—धारा (2) के अधीन प्राप्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अध्याय के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, लिखित आदेश द्वारा अनुज्ञप्ति या तो अनुदत्त करेगा या अनुदत्त करने से इन्कार करेगा :

परन्तु जहाँ निकटतम पुलिस थाने का भारसाधक ऑफिसर आवेदन पर विहित समय के भीतर अपनी रिपोर्ट नहीं भेजता है, वहाँ यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी ठीक समझे तो वह

376

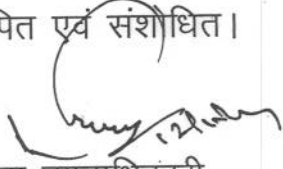
विहित समय के अवसान के पश्चात्, उस रिपोर्ट की और प्रतीक्षा किए बिना ऐसा आदेश कर सकेगा।”


वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन, आवेदक के आवेदन एवं उनके द्वारा उपस्थित होकर रखे गये तथ्यों एवं अभिलेख पर संघारित कागजातों के सूक्ष्मता पूर्वक अवलोकन के पश्चात अधोहस्ताक्षरी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि आवेदक को सुरक्षा के बिन्दु पर कोई विशेष सुरक्षा भय/खतरा नहीं है तथा उन्हें एक दो नाली बन्दूक हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत किए जाने का कोई यथेष्ट कारण नहीं है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13, शस्त्र नियम 1962 में निहित शक्तियों एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त आवेदक श्री मनीष भूषण ओझा, पिता—श्री इन्दू भूषण ओझा, सा0—देवी स्थान, पुनाईचक, पो0+थाना—शास्त्रीनगर, जिला—पटना के आवेदित एक दो नाली बन्दूक अनुज्ञप्ति आवेदन—पत्र को अस्वीकृत किया जाता है।

वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित।


जिला दण्डाधिकारी,
पटना।


जिला दण्डाधिकारी,
पटना।